No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-2

00762

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए। **3x12=36**

(क) दो वंशों में प्रकट करके पावनी लोक - लीला,
सौ पुत्रों से अधिक जिनकी पुत्रियाँ पूतशीला,
त्यागी भी हैं शरण जिनके, जो अनासक्त गेही,
राजा-योगी जय जनक वे पुण्यदेही, विदेही।

विफल जीवन व्यर्थ बहा, बहा,
सरस दो पद भी न हुए हहा !
कठिन है कविते, तुम भूमि ही,
पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा।

करुणे, क्यों रोती है? 'उत्तर' में और अधिक तू रोई -
मेरी विभूति है जो, उसको 'भव-भूति' क्यों कहे कोई!

(ख) बाँधो न नाव इस ठाँव, बन्धु!
पूछेगा सारा गाँव, बन्धु!

वह घाट वही जिस पर हँसकर,
यह कभी नहाती थी धँसकर,
आँखें रह जाती थीं फँसकर,
कँपते थे दोनों पाँव, बन्धु!

वह हँसी बहुत कुछ कहती थी,
फिर भी अपने में रहती थी,
सबकी सुनती थी, सहती थी,
देती थी सबके दाँव, बन्धु!

(ग) मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल
चिन्ता का भार बनी अविरल,
रज-कण पर जल-कण हो बरसी
नवजीवन-अंकुर बन निकली!
पथ को न मलिन करता आना,
पद-चिह्न न दे जाता जाना,
सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अन्त खिली!
विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली।

(घ) प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गयी हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
ओर .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

(ङ) बेहतर है कि जब कोई बात करो तब हँसो
ताकि किसी बात का कोई मतलब न रहे

और ऐसे मौकों पर हँसो
जो कि अनिवार्य हों
जैसे ग़रीब पर किसी ताक़तवर की मार
जहाँ कोई कुछ कर नहीं सकता
उस ग़रीब के सिवाय
और वह भी अक्सर हँसता है

2. भारतेंदु हरिश्चंद्र की काव्य भाषा और काव्य रूप का विवेचन कीजिए। 16

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय नवजागरण की अभिव्यक्ति किस रूप में हुई है? स्पष्ट कीजिए।

3. ''राम की शक्तिपूजा'' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 16

अथवा

जयशंकर प्रसाद के काव्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना का वैशिष्ट्य बताइए।

4. नागार्जुन के काव्य शिल्प की विशेषताएँ बताइए। 16

अथवा

'अंधेर में' कविता का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

5. शमशेर की काव्य संवेदना पर विचार कीजिए। 16

अथवा

श्रीकांत वर्मा की कविताओं में अभिव्यक्त इतिहास और वर्तमान के द्वंद्व को रेखांकित कीजिए।

———